

प्रेषक,

रंजना,

अपर सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

प्रारम्भिक शिक्षा, उत्तराखण्ड,

ननूरखेडा, देहरादून।

शिक्षा अनुभाग-1(बैसिक)

देहरादून: दिनांक: 11 अगस्त, 2016

विषय: सर्व शिक्षा के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2016-17 में केन्द्रांश अवमुक्त प्रथम किस्त धनराशि रू० 19847.76 लाख के सापेक्ष सामान्य मद के अन्तर्गत धनराशि रू० 10118.74 लाख अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपर राज्य परियोजना निदेशक, सर्व शिक्षा अभियान, देहरादून, उत्तराखण्ड, के पत्र संख्या-रा०प०का०/645/लेखा-2/केन्द्रांश-राज्यांश /2016-17 दिनांक 09 अगस्त, 2016 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

2- अवगत कराना है कि भारत सरकार के पत्र सं F.No. 10-1/2016-EE-14 दिनांक 27.07.2016 द्वारा अनुदान संख्या 11, 30, 31 में (सामान्य, एस०सी०पी० व टी०एस०पी०) प्रथम किस्त के अंश के रूप में कुल धनराशि ₹ 19847.76 लाख (रुपये एक अरब अठानबे करोड़ सैतालीस लाख छियत्तर हजार मात्र) कमशः अनुदान-11 (सामान्य) में ₹ 12975.34 लाख अनुदान सँ० 30 (एस० सी० एस० पी०) में ₹ 4289.54 लाख एवं अनुदान सँ० 31 (टी०एस०पी०) में ₹ 519.30 लाख कुल ₹ 17784.18 लाख तथा पूंजीगत कमशः अनुदान-11 (सामान्य) में रू० 1505.59 लाख अनुदान सँ० 30 (एस० सी० एस० पी०) में ₹ 497.73 लाख एवं अनुदान सँ० 31 (टी०एस०पी०) में ₹ 60.26 लाख कुल 2063.58 लाख अर्थात् कुल ₹ 19847.76 लाख (रुपये एक अरब अठानबे करोड़ सैतालीस लाख छियत्तर हजार मात्र) की धनराशि अवमुक्त की गयी है।

2- इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि केन्द्रांश रूप में प्राप्त धनराशि के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2016-17 के लेखानुदान के माध्यम से प्राविधानित धनराशि संलग्नक-01 में उल्लिखित विवरणानुसार अनुदान-11 (सामान्य) मद में वित्त विभाग के शासनादेश दिनांक 26 जुलाई, 2016 के प्रस्तर 13 में उल्लिखित प्राविधानुसार ₹ 10118.74 लाख (रुपये एक अरब एक करोड़ अट्ठारह लाख चौहत्तर हजार मात्र) की धनराशि आपके निवर्तन पर रखते हुए निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं-

- (1) वित्त विभाग के शासनादेश दिनांक 26-7-2016 में उल्लिखित शर्तों का अनुपालन वित्तीय वर्ष 2016-17 के आय-व्यय की निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि के व्यय में सुनिश्चित किया जायेगा जो कि प्रस्तर -13 में उल्लिखित प्राविधानुसार यदि केन्द्रपोषित योजना 30.00 करोड़ से अधिक है तो उसको दो किस्तों में निर्गत करेंगे। राज्यांश की धनराशि से सम्बन्धित प्रस्ताव योजनान्तर्गत केन्द्रांश के पूर्ण उपयोग के बाद ही वित्त विभाग को प्रस्तुत किये जायेंगे।

- (2) व्यय करने से पूर्व यथास्थिति अधिप्राप्ति नियमावली के सुसंगत प्राविधानों सहित सुसंगत वित्तीय नियमों तथा प्रचलित प्रक्रियाओं का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (3) योजनाओं के विभिन्न मदों पर व्यय शासन के वर्तमान नियमों/आदेशों के अनुरूप ही किया जायेगा तथा जहां आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति/सहमति प्राप्त की जायेगी। स्वीकृति धनराशि के सापेक्ष, आहरण/व्यय यथा आवश्यकता मासिक व्यय की सारिणी बनाकर किया जाय।
- (4) यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि उक्त स्वीकृत धनराशि को किसी ऐसे मद पर व्यय न किया जाय जिसके लिए वित्तीय हस्त पुस्तिका तथा बजट मैनुअल के नियमों के अन्तर्गत अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता हो।
- (5) अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत व्यय न किया जाय और इस प्रकार चालू वित्तीय वर्ष की देनदारी अगले वित्तीय वर्ष के लिए कदापि न छोड़ी जाय।
- (6) आवंटनों के अनुसार आहरित व्यय के विवरण निर्धारित तिथि तक शासन को अवश्य उपलब्ध करा दिये जाय। इसी प्रकार व्यय के संबंध में व्ययाधिक्य एवं बचतों के विवरण शासन की निर्धारित अवधि के अन्दर उपलब्ध करा दिये जायें।
- (7) मितव्ययता के संबंध में जारी किये गये शासनादेशों अथवा भविष्य में जारी होने वाले शासनादेशों का विशेष रूप से अनुपालन किया जायेगा।
- (8) व्यय संबंधी जो भी बिल कोषाधिकारी को भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जाये उसमें लेखाशीर्षक के साथ-साथ अनुदान संख्या का भी उल्लेख किया जाय।

**03—** इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-11, 30 एवं 31 के अधीन लेखाशीर्षक 2202-01-प्रारम्भिक शिक्षा के अधीन संलग्नक में उल्लिखित संबंधित व्यौरवार शीर्षक/सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामें डाला जायेगा।

**04—** यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश सं० 847/XXVII(1)/2016 दिनांक 26 जुलाई, 2016 में वर्णित प्राविधान के अनुसार जारी किया जा रहा है।

**संलग्नक: यथोपरि।**

भवदीय,

(रंजना)

अपर सचिव।

**सं० 640 (I)/XXIV(1)/2016-19/2015 तददिनोंक।**

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

01. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड, ओवराय बिल्डिंग, देहरादून।
02. महालेखाकार(आडिट), महालेखाकार कार्यालय, वैभव पैलेस, सी-1/105 इन्द्रानगर, देहरादून।
03. मुख्य कोषाधिकारी/कोषाधिकारी देहरादून।
04. राज्य परियोजना निदेशक, मध्यान्ह भोजन योजना प्रकोष्ठ, ननूरखेड़ा देहरादून।
05. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
06. समस्त जिला शिक्षा अधिकारी, उत्तराखण्ड (निदेशक के माध्यम से)
07. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, देहरादून।
08. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3/नियोजन अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
09. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर देहरादून।
10. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,



(नन्दन सिंह बिष्ट)

अनु सचिव।

शासनादेश सं०-640 /XXIV(1)/2016-19/2015 दिनांक

11 अगस्त, 2016

का संलग्नक।

(धनराशि लाख में)

लेखाशीर्षक	अवमुक्त केन्द्रांश	लेखा अनुदान के माध्यम से प्राविधानित	स्वीकृत की जा रही धनराशि
<b>अनुदान संख्या-11 (सामान्य) -आयोजनागत</b>			
2202 सामान्य शिक्षा			
01 प्रारम्भिक शिक्षा			
800 अन्य व्यय			
01 केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र पुरोनिधानित योजनाएँ			
0104 सर्व शिक्षा अभियान			
20- सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	12975.34	44000.00	7425.79
<b>अनुदान संख्या-30 (एस0सी0एस0पी0)-आयोजनागत</b>			
2202 सामान्य शिक्षा			
01 प्रारम्भिक शिक्षा			
800 अन्य व्यय			
01 केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र पुरोनिधानित योजनाएँ			
0101 सर्व शिक्षा अभियान			
20- सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	4289.54	7588.71	2402.14
<b>अनुदान संख्या-31 (टी0एस0पी0)-आयोजनागत</b>			
2202 सामान्य शिक्षा			
01 प्रारम्भिक शिक्षा			
800 अन्य व्यय			
01 केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र पुरोनिधानित योजनाएँ			
0101 सर्व शिक्षा अभियान			
20- सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	519.30	2671.31	290.81
<b>कुल योग (अनुदान सँ० 11 + 30 + 31)</b>	<b>54280.02</b>	<b>17784.18</b>	<b>10118.74</b>

₹ 10118.74 लाख (रूपये एक अरब एक करोड़ अट्ठारह लाख चौहत्तर हजार मात्र)

(नन्दन सिंह बिष्ट)  
अनु सचिव